सारांश

मदर टेरेसा एक महान आत्मा थी। वह एक महान संत थी। लोगों के अत्यंत दयनीय स्थिति व चरम गरीबी से द्रवित हो उन्होंने अत्यंत कम उम्र में ही अपनी कॉन्वेन्ट स्कूल की पढ़ाई छोड़ दी और खुद को मानवता की सेवा हेतु पूर्णत: समर्पित कर दिया। छोटी उम्र में ही उन्होंने नन बनने की शपथ ले ली थी। जरूरतमंदों-अपाहिजों -दरिद्रनारायण की सेवा हेतु उन्होंने कई मिशनरियां चलाईं। उन्हें कई राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया। उनकी मृत्यु पर उन्हें आखिरी विदाई ससम्मान देने हेतु भारत सरकार ने उनकी राजकीय अंत्येष्टि की।